भारत सरकार

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1645

बुधवार, दिनांक 30 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>मछली पकड़ने वाली नौकाओं के लिए हरित ऊर्जा</u>

1645. एडवोकेट अदूर प्रकाशः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार मछली पकड़ने वाली नौकाओं के लिए हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने का है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार भविष्य में इस पर विचार करेगी;

(घ) क्या सरकार को केरल और तमिलनाडु द्वारा मछली पकड़ने वाली नौकाओं में केरोसिन इंजनों को एलपीजी किट से बदलने के लिए प्रस्तावित प्रायोगित परियोजना की जानकारी है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ऐसी पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए उक्त राज्यों को वित्तीय सहायता देने पर विचार करेगी और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) से (ग): वर्तमान में, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) मछली पकड़ने वाली नौकाओं के लिए हरित ऊर्जा के उपयोग के लिए सहायता देने हेतु कोई योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। तथापि, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) ने सतत पर्यावरण एवं शिक्षा केंद्र (सीएसईई) के सहयोग से विस्तृत डिजाइन विकसित किया है, जो नाव पर संरचनात्मक स्थिरता और न्यूनतम छाया के साथ अधिकतम सौर ऊर्जा संग्रहण सुनिश्चित करता है। वास्तविक समय निगरानी और प्रणाली दक्षता मूल्यांकन के लिए सौर और बैटरी दोनों प्रणालियों के लिए प्रमुख विद्युत और प्रदर्शन मापदंडों की पहचान की गई है।

(घ) एवं (ङ): प्राप्त जानकारी के अनुसार, केरल सरकार (जीओके) ने पारंपरिक मछली पकड़ने वाले इंजनों को एल.पी.जी. से चलाने के लिए सब्सिडीयुक्त द्रवीकृत (लिक्विफाईड) पेट्रोलियम गैस (एल.पी.जी.) किट उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए एक पायलट परियोजना सफलतापूर्वक कार्यान्वित की गई है। केरल सरकार ने केरोसिन इंजन का उपयोग करने वाले 500 पारंपरिक मछली पकड़ने वाले जहाजों को एलपीजी इंजन में परिवर्तित करने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति दी है।

तमिलनाडु सरकार ने वर्ष 2024-25 के दौरान तमिलनाडु के तीन तटीय जिलों (थूथुकुडी, तिरुनेलवेली और कन्याकुमारी) में 1.90 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एलपीजी के साथ केरोसिन चालित समुद्री आउटबोर्ड मोटर्स (ओबीएम) के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए "ग्रीनिंग मरीन फिशरीज" के अंतर्गत एक नई योजना शुरू की है, जिसके तहत 175 केरोसिन चालित इंजन प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

*****